

**आस्थित वि.** (तत्.) 1. रहा हुआ, बसा हुआ 2. यत्न करने वाला 3. घेरा हुआ 4. प्राप्त किया हुआ 5. पहुँचा हुआ।

**आस्थिति स्त्री.** (तत्.) समग्र स्थिति, अवस्था, दशा, हालत।

**आस्नान पुं.** (तत्.) 1. पवित्रता, स्वच्छता 2. नहाने का पानी।

**आस्पद पुं.** (तत्.) 1. योग क्रिया में कुंडली का आठवाँ स्थान 2. जगह, रहने का स्थान 3. विषय 4. वंशगत नाम।

**आस्पर्धा स्त्री.** (तत्.) प्रतिस्पर्धा, प्रतियोगिता, होड़, लाग-डाट।

**आस्फाल पुं.** (तत्.) 1. धक्का 2. रगड़ 3. धीरे-धीरे हिलना 4. हाथी के कान की फड़फड़ाहट।

**आस्फालन पुं.** (तत्.) 1. झटका 2. धक्का देना।

**आस्फोट पुं.** (तत्.) 1. ठोकर या रगड़ से उत्पन्न ध्वनि 2. ताल ठोकने की ध्वनि 3. शस्त्रास्त्र की झंकार 4. मदार।

**आस्फोटक पुं.** (तत्.) अखरोट **वि.** (तत्.) ताल ठोकने वाला।

**आस्फोटन पुं.** (तत्.) 1. ताल ठोकना 2. फटकना 3. हिलाना 4. संकुचन 5. ताली बजाना 6. उद्घाटित करना।

**आस्माँ पुं (फा.)** आकाश, नभ, गगन, आसमान, वितान।

**आस्मियम पुं (तत्.)** रसा. एक लैटिन धात्विक तत्व, प्लैटिनम और इरिडियम की मिश्र धातु बनाने में प्रयुक्त।

**आस्मिरीडियम पुं (अं.)** लैटिन आस्मियम और इरिडियम के मिश्रण से निर्मित एक कठोर और श्वेत धातु।

**आस्यंदन पुं.** (तत्.) प्रसवण, बहाना।

**आस्य पुं.** (तत्.) चेहरा, मुँह, **वि.** चेहरे संबंधी।

**आस्या स्त्री.** (तत्.) 1. बैठना 2. विश्राम की अवस्था 3. वासस्थान।

**आस्युत वि.** (तत्.) सिला हुआ।

**आस्र पुं.** (तत्.) रक्त, खून।

**आस्रप वि.** (तत्.) 1. रक्त पीने वाला, खून चूसने वाला 2. राक्षस।

**आस्रव पुं.** (तत्.) 1. उबलते हुए चावल का फेन 2. पनाला 3. इंद्रियद्वार 4. क्लेश 5. जैन मतानुसार औदारिक और कामादि के द्वारा आत्मा की गति जो शुभ और अशुभ दोनों प्रकार की है।

**आस्राव पुं.** (तत्.) 1. बहाव 2. घाव 3. पीड़ा 4. थूक 5. एक रोग।

**आस्रुत वि.** (तत्.) 1. जल के सामान्य वाष्पन से प्राप्त 2. आसवन प्रक्रिया से प्राप्त।

**आस्वाद पुं.** (तत्.) रस, स्वाद **वि.** स्वादिष्ट।

**आस्वादक वि.** (तत्.) 1. स्वाद परीक्षक, व्यंजन के स्वाद का मूल्यांकन करने वाला, चखने वाला।

**आस्वादन पुं.** (तत्.) स्वाद लेना, चखना, मजा लेना।

**आस्वादनीय वि.** (तत्.) स्वाद लेने योग्य, चखने योग्य, रस लेने योग्य।

**आस्वादित वि.** (तत्.) रस लिया हुआ, स्वाद लिया हुआ, चखा हुआ, मजा लिया हुआ।

**आस्वाद्य वि.** (तत्.) आस्वादन करने या स्वाद लेने योग्य, जायकेदार, खाने में स्वादिष्ट।

**आह (आह) अव्य.** (तत्.) पीड़ा, शोक, दुःख, खेद और ग्लानिसूचक **स्त्री.** कराहना, दुःख या क्लेश-सूचक शब्द, ठंडी साँस मुहा. आह भरना-ठंडी साँस लेना।

**आहट स्त्री.** (तत्.) किसी के आने, चलने आदि की आवाज, पदचाप।

**आहत वि.** (तत्.) 1. घायल 2. जिस पर आघात या प्रहार किया गया हो 3. हत 4. रौंदा हुआ 5. निकाला हुआ 6. असंगत (वाक्य) 7. पुराना 8.